1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

भिरव्यकारी :- श्रीमति सुशीला देवी पति श्री सरूप सिंह परमार जाति राजपुत पेशा गृहस्थी राष्ट्रीयता भारतीय - साकिन मौजा झुमरी तिलैया वार्ड नं० 13 पत्रालय झुमरी तिलैया प्रगना गुमो थाना तिलैया सब रजिस्ट्री वो जिला रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा ।

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.　　Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये　ONE THOUSAND RUPEES

२

लेख्यधारी :- श्री संतोष कुमार पिता श्री नरसिंह प्रसाद जाति माहुरी पेशा गृहस्थी वो व्यापार राष्ट्रीयता भारतीय साकिन मौजा झुमरी तिलैया वार्ड न० 13 पत्रा-लय झुमरी तिलैया परगना गुमों थाना तिलैया सब रजिस्ट्री वो जिला रजि-स्ट्री वो जिला कोडरमा।

लेख्य प्रकार :- विक्रय पत्र "केवाला" वैरुला कलामी।

मुल्य :- मोवलग 32,000) बतीस हजार रुपये मात्र।

भू : स्वामी :- बिहार सरकार अंचल कोडरमा, झुमरी तिलैया नगर पालिक के अन्दर।

सलाना माल :- मोवलग ४.०० चार रुपैया अलावे शेष।

मुहीलाहिबी 3.2-98

गवाह :- राम कुमार ऐश्वर्य
ह० विद्यार्थी
3/9/98

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.　　Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये　FIVE HUNDRED RUPEES

3

सम्पति :- मवाजी रकबा 0.08 आठ डिसमील जमीन हकियत रैयति खरीदगी कायमी अन्दर खाता नं० पुराना 241 नया खाता नं० 8 आठ वाके मौजा तिलैया थाना नं० 244 अन्दर नगर पालिका झुमरी तिलैया वार्ड नं० 12 परगना- गुमों थाना तिलैया सब रजिस्ट्री वो जिला रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा।

यह कि उपरोक्त भूमि का खाता हाजा लेख्यकारी के नाम से खुद बजरिये रजिस्ट्री केवाला के श्री मती अनुपमा देवी पति श्री रमेन्द्र मोहन दास गुप्ता से दिनांक 31-3-96 को कलकता रजिस्ट्री ऑफिस के द्वारा हांसिल है जिसका रजिस्ट्री बुक नं० 1 भोलूम नं० 45 पेज नं० 246 से 252 दस्तावेज नं० 1332 है और तब से

सुशीला देवी
3.7-98

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

४

लेख्यकारी उपरोक्त खरीदी भूमिपर खास दखलकार होकर वो रहकर चले आ रहे हैं वो अभि हैं साथ ही अंचल से माल गुजारी रशीद भी हासिल करते चले आ रहे हैं जो अंचल रजिस्टर II के पृष्ठ संख्या $\frac{१२६}{१६}$ मे दर्ज है उपरोक्त भूमि आज दिन तारीख मे साथ लेख्यधारी के बिक्री करती हैं जिसका भूमि का पुरा विवरण नीचे दर्ज है।

मुसलिमा बुडी
३.७.७८

भूमि का विवरण.

१. खाता न० पुराना २४१ दो सौ एक तालिस नया खाता न० ८ आठ।

२. प्लोट न० पुराना १९८७ उन्नीस सौ सतासी नया प्लोट न० ४०८६ चार हजार छियासी कुल रकवा ०.२२ $\frac{३}{४}$ बाईस पुर्णांक दो बटा तीन डिसमील मधे बिक्री रकवा ०.०८ आठ डिसमील

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

जिसका हाल चौहद्दी उत्तर-(प्रभु सिंह)
आज खरीदी शक्ति कुमार दक्षिण-
विसुनपुर रोड़ पूरब- विद्यावती परमार
पश्चिम- वासुदेव सिंह वाके है।
जमा खाता एक, जमा प्लौट एक-
जमा रकबा - - - - 0.08 डी०

सुनीता देवी 3.8.28

विवरण:- चुँ मन लेख्यकारी को वास्ते दिगर-२ कार्य के लिये रुपये का सख्त जायज वो जरूरी है बिना जमीन बिक्री किये कोई अन्य उपाय देखा नहीं गया तब लेख्यकारी अपने भूमि सम्पति का वाजीब मुल्य साथ लेख्यधारी के तयकर वो मोबलग 32,000/ बतीस हजार रुपये नगद लेके मपाजी रकबा 0.08 आठ डिसमील जमीन साथ लेख्यधारी के बेचे वो आज दिन तारीख से खास दखल देकर मालिक बनाये।

अब लेख्यधारी खरीददगी भूमिपर खास दखल कार होकर वो रहकर

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

जोत आबाद किया करें, या मकान बनावें, कुआं खोदें, पहर दिवारी दें या फिर जिस तरह से फायदा वो मुनासिब समझें अपने हक मे दखलाया करें।

उपरोक्त भूमि हर तरह के वारदेन से पाक वो साफ है अगर पाया गया तो कुल देनदार लेखकारी मय वारीशान होंगें।

केवाला मे लिखा जर समन का कुल रुपैया लेखकारी तमाम कमाल व सुल पा गये बाकी कुछ भी जिम्मे लेखधारी के नंही रहा।

अब लेखधारी खरीदगी भूमि केवाला को अपने अंचल से दाखिल खारीज करा कर वो सालाना माल देकर रशीद अपने नाम से हांसिल किया करें, इसमे लेखकारी वो उनके वारीशान को कभी कोई उजुर नंही होगा इसलिये आज दिन तारीख को केवाला हाजा विक्रय पत्र लिख दिये जो कि समय पर काम आवे। धारा ६ वो धारा ८वी ३८ एवं धारा १० वो ११ के अनुसार नाम सिलींग रुल्ट मे दर्ज नंही है।

छिपिका: महावीर मौर्य ताड़ई के मोहल्ले कहे अनुसार केवाला लिख दिया, खुब पढ़ा वो खुब समझ कर तब अपना हस्ताक्षर किये/ता० व० 3.5.78

मुहीता वर्मा 3.5.78